लो आ गया पॉलिथिन का विकल्प

अहमदाबाद। ग्रीन डायम्स बायोटेक लि. का अविश्वसनीय उत्पाद पान मसाला उद्योग के लिए संजीवनी का काम कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के प्लास्टिक पॉलीथिन पर लगे प्रतिबंध के बाद ग्रीन डायम्स बायाटेक प्राइवेट लि. ने उसके विकल्प के तौर पर बायोलाइस बेस कैरी बैग्स व सीड्स पेकिंग मुहैया कराने का बीड़ा उठाया है। कंपनी के प्रतिनिधि अजय जैन व सौरभ गोयल ने मंगलवर्धनी को एक भेंट वार्ता में बताया कि

यूरोप से आयातित बायोलाइस प्लास्टिक का एकमात्र विकल्प है जो कि पूरी तरह कम्पोस्टेबल है। पान मसाला निर्माताओं के पास वर्तमान में जो फिल्टर मशीने है उनमें आसानी से यह कार्य करती है और उसी वर्तमान गति में फीलिंग करती है। शुरुआती दौर में ही इसे जबरदस्त रेस्पांस मिला है और लोग ऑर्डर पर ऑर्डर बुक करा रहे हैं। यह फेंकने के बाद मिट्टी में मिलकर पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। इस उत्पाद ने गुटखा पान मसाला निर्माताओं को तो चिंता मुक्त कर ही दिया है, सीड्स पेकिंग व अन्य पेकिंग के उत्पादकों के लिए भी नया रास्ता खोल दिया है। कैरी बैग्स के रुप में भी इसका बेहतर इस्तेमाल किया जा सकेगा।

सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे मक्के के दाने से तैयार किया जाता है और मक्के के भी उन दानों से बनाया जाता है जिसका उपयोग करने के बाद फालतू फेंक दिया जाता है। इसे मक्के के दाने पर रासायनिक पदार्थ डाल कर तैयार किया जाता है। कंपनी ने अपने उत्पाद ट्रूग्रीन के नाम से बाजार में उतारा है और भारत में इसे बनाने वाली यह एक मात्र कंपनी है। कंपनी के निदेशक दीपक साधवी ने बताया कि कंपनी को 9 देशों में अपने इस बायोलाइस प्रोडक्टस को बेचने का लाइसेंस मिल चुका है।

कंपनी के राजस्थान अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर मैसर्स ग्रीन लीफ इंडिया कोटा के निदेशक सौरभ गोयल एवं अजय जैन ने बताया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए कंपनी के इस प्रयास को मार्केट में भरपूर सहयोग मिल रहा है और लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं। यदि कोई भी निर्माता या कारोबारी प्लास्टिक कैरीबैग्स के विकल्प के तौर पर गुटखा पान मसाला पाउच, कैरीबैग्स या कोई पेकिंग विशेष करवाना चाहे तो वह कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर या मुख्यालय से संपर्क कर सकता है। ट्रेड इन्क्वायरी के लिए आप मोबाइल नम्बर 94141-77880 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।